NOT FOR SALE

द्वितीय प्रश्न – निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा । 20 अंक

(1) साहित्यदर्पण के निर्धारित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु।

(2) ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत के आधार पर ध्वनि की परिभाषा, विपक्षी मतों का खंडन, ध्वनि के पक्ष में युक्तियां–उदाहरण, ध्वनि काव्य भेद।

(3) नाट्यशास्त्र में विवेचित नाट्योत्पति– विषयक विवरण, प्रेक्षागृह– विषयक विवेचना।

सहायक पुस्तकें :–

1. संस्कृत के संदेशकाव्य – रामकुमार आचार्य
2. संस्कृतकविदर्शन – भोलाशंकर व्यास
3. महाकविकालिदास – रमाशंकर तिवारी
4. मेघदूत–एक अध्ययन – वासुदेवशरण अग्रवाल
5. मेघदूत (सम्पा0) – एम0आर0काले
6. साहित्यदर्पण (सम्पा0) – पी0 वी0 काणे
7. साहित्य दर्पण (विमला टीका) – शालिग्राम शास्त्री
8. काव्यशास्त्र का इतिहास – पी0वी0काणे, अनु0 इन्द्रचन्द्र शास्त्री
9. अलंकारमीमांसा – डा0 रामचन्द्र द्विवेदी

NOT FOR SALE
FOR OFFICE USE ONLY

एम.ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2008–09

चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषाविज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. **भाषाविज्ञान** (इसके अंतर्गत कुछ चुने हुए विषय)
2. **कारकप्रकरण** (सिद्धान्त–कौमुदी का)
3. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (तद्धितप्रकरण–शैषिक पर्यन्त) तथा समास प्रकरण।
4. अनुवाद (हिन्दी व संस्कृत में)।

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण –

प्रथम खंड
(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई – 10 अंक

भाषा विज्ञान

इसके अंतर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है–

भाषा विज्ञान का स्वरूप, विषयवस्तु एवं विभिन्न पद्धतियॉं, भाषा की परिभाषा, भाषा का स्वरूप तथा सामान्य विशेषताएं, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि–नियम का स्वरूप, ग्रिम, ग्रासमान एवं बर्नर के ध्वनि–नियम, भाषाओं का वर्गीकरण–(आकृतिमूलक एवं आनुवंशिक), आर्यभाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत तथा अपभ्रंश के विशेष संदर्भ में), पाली, प्राकृत एवं संस्कृत भाषा की उत्पत्ति।

द्वितीय इकाई – 10 अंक

कारक प्रकरण (सिद्धान्त–कौमुदी से)

तृतीय इकाई – 10 अंक

लघुसिद्धान्त कौमुदी का तद्धित प्रकरण शैषिक पर्यन्त।

चतुर्थ इकाई – 10 अंक

लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण।

पंचम इकाई – 10 अंक

अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50 अंक**

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न शतप्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर विस्तार से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा–

(क) भाषा विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जाएगा। 10 अंक

(ख) कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी) से चार सूत्र अथवा वार्त्तिक देकर दो की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) तद्धितप्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी–शैषिक भाग पर्यन्त) चार शब्द देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) से किन्ही चार समस्त–पदों को देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। 10 अंक

(ङ.) हिन्दी भाषा में विकल्पसहित एक (लगभग दस वाक्यों वाला) अवतरण संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के लिये दिया जायेगा। 10 अंक

तृतीय खंड

निबन्धात्मक **40 अंक**

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। प्रथम प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। ये प्रश्न 20–20 अंक वाले हैं।

प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत उपर्युक्त भाषाविज्ञान के विषय होंगे। द्वितीय प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित व्यवस्था है–

(1) कारकसूत्रों अथवा वार्त्तिकों की व्याख्या कोई चार देकर दो की।

10 अंक

(2) तद्धित सूत्र (शैषिक पर्यन्त) व्याख्या कोई चार देकर दो की।

10 अंक

सहायक पुस्तकें –

भाषाविज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा

भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी

भाषाविज्ञान – मंगलदेव शास्त्री

आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका – डा0 मोतीलाल गुप्त एवं रघुवीर प्रसाद भटनागर (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर)

संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन–भोलाशंकर व्यास

संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय – डा0 देवीदत्त शर्मा

कारकप्रकरण– व्याख्या श्रीधरानन्द शास्त्री

लघुसिद्धान्त कौमुदी–व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा

प्रौढरचनानुवादकौमुदी–कपिलदेव द्विवेदी

बृहदनुवादचन्द्रिका –चक्रधर नौटियाल हंस

अनुवादकला– चारुदेव शास्त्री

संस्कृतव्याकरण– कपिलदेव द्विवेदी

भाषाविज्ञानस्य रूपरेखा– पं0 गिरिधरलाल शास्त्री

सिद्धान्तकौमुदी–द्वितीय भाग– पं0 बालकृष्ण व्यास